Tender Heart High School, Sector - 33 - B, Chandigarh.

कक्षा - दसवीं
विषय - हिन्दी साहित्य शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तकें - 'साहित्य सागर' एवं 'एकांकी संचय'

पुनरावृत्ति

* पाठ - 4 'नेता जी का चश्मा' (साहित्य सागर)
* पाठ - 2 'बहू की विदा' (एकांकी संचय)

(सभी छात्र इस पुनरावृत्ति के अन्तर्गत पूछे गए सभी प्रश्नों को पाठ की सहायता से लिखेंगे। लिखते समय आप वर्तनी एवं मात्राओं संबंधी होने वाली त्रुटियों पर विशेष ध्यान देंगे।)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" नहीं साब, वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में ? पागल है, पागल। वो देखो, वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो। फोटो - वोटो छपवा दो उसकी कहीं।"

(क) हालदार साहब को पानवाले की कौन - सी बात अच्छी नहीं लगी और क्यों ?
(ख) सेनानी न होने पर भी चश्मेवाले को कैप्टन क्यों कहा जाता था ? सोचकर लिखिए।
(ग) चश्मेवाले को देखकर हालदार साहब अवाक् क्यों रह गए ? चश्मेवाले का परिचय दीजिए।
(घ) हालदार साहब पानवाले से क्या पूछना चाहते थे और क्यों ? पानवाले ने हालदार साहब की बात पर क्या

प्रतिक्रिया व्यक्त की ?

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और तुम मुझे खून दो ----' वगैरह नारे याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी, जो देखते ही खटकती थी।"

'नेता जी का चश्मा'
लेखक - स्वयं प्रकाश

(क) नगरपालिका द्वारा चौराहे पर बनाई गई मूर्ति किसकी थी ? स्पष्ट कीजिए।
(ख) नगरपालिका द्वारा किए गए कार्यों का वर्णन संक्षेप में कीजिए।
(ग) 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो ---' के नारे क्यों याद आने लगते थे और यह हालदार साहब की किस विशेषता की ओर संकेत करते हैं ?
(घ) यह कहानी किस प्रतिमा के बारे में है तथा 'प्रतिमा' में किस चीज की कमी खटकती थी ?

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"तो क्या कर लेता ? मेरे सामने मुँह खोलने की हिम्मत नहीं है उसमे।"

'बहू की विदा'
लेखक - विनोद रस्तोगी

(क) 'वह' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?

(ख) वक्ता ने उपर्युक्त बात श्रोता के किस कथन के उत्तर में कही है ?
(ग) वक्ता ने अपने बेटे की क्या विशेषताएँ बताईं ?
(घ) वक्ता का बेटा कहाँ गया हुआ है और क्यों ?

(4) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

(क) "तुम्हारी बहन के सपने कभी पूरे नहीं होंगे और उसके सपनों के खून का दाग तुम्हारे हाथों और तुम्हारी माँ के आँचल पर होगा।"

'बहू की विदा'
लेखक - विनोद रस्तोगी

(क) उपर्युक्त वाक्य किस एकांकी से लिया गया है ? यह वाक्य किसने तथा किससे कहा है ?
(ख) 'तुम्हारी बहन के सपने कभी पूरे नहीं होंगे' — इस वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।
(ग) वक्ता ने सपने पूरे न होने के लिए किस-किस को जिम्मेदार बताया ?
(घ) वक्ता ने अपनी बेटी गौरी के विवाह के संबंध में श्रोता से क्या कहा ?

उत्तर

2. "मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' ----- देखते ही खटकती थी।"

(नेता जी का चश्मा)

(क) नगरपालिका द्वारा चौराहे पर बनाई गई मूर्ति नेताजी सुभाषचंद्र बोस की थी। नगरपालिका समय-समय पर कुछ न कुछ करवाती रहती थी। यह कहानी उसी प्रतिमा के

बारे में है।

(ख) नगरपालिका समय-समय पर कुछ न कुछ करती रहती थी; जैसे कभी सड़क पक्की करवा दी, कभी पेशाबघर बनवा दिए, कबूतरों की छतरी बनवा दी, कवि सम्मेलन करवा दिए, कभी किसी की मूर्ति लगवा दी आदि।

(ग) कस्बे के चौराहे पर नेताजी की बहुत ही सुन्दर मूर्ति बनी हुई थी। फौजी वर्दी में नेता जी सुन्दर एवं मासूम लग रहे थे। मूर्ति ऐसी बनाई गई थी, जिसे देख 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो' जैसे नारे याद आने लगते थे। यह हालदार साहब के देशप्रेमी होने की ओर संकेत करते हैं।

(घ) यह कहानी नेता जी की प्रतिमा के एक छोटे से हिस्से के बारे में है। नेता जी की मूर्ति पर एक कमी थी, जो देखते ही खटकती थी। नेता जी की आँखों पर चश्मा नहीं था या यूँ कहे कि चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सचमुच व सामान्य चश्मे का काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था।

3. "तो, वह क्या कर लेता ? मेरे - - - - - - - हिम्मत नहीं है उसमें।"
'बहू की विदा'

(क) 'वह' शब्द का प्रयोग जीवनलाल ने अपने बेटे रमेश के लिए किया है। रमेश कमला का पति है। इस समय वह सावन के महीने में अपनी बहन गौरी को विदा कराने के लिए किया गया है।

(ख) प्रमोद अपनी बहन कमला को पहले सावन के अवसर पर विदा कराने के लिए जीवनलाल के घर आया है। मगर जीवनलाल बहू की विदा करने से साफ इन्कार कर देता है और दहेज के रूप में पाँच हज़ार रुपयों की माँग पर अड़ जाता है। तब प्रमोद भी आवेश में आकर कह देता है कि 'यह तो सरासर अन्याय है। शिकायत आपको

हमसे है। उस भोली-भाली लड़की (कमला) ने आपका क्या बिगाड़ा है जो आप विदा न करके उससे बदला ले रहे हैं। अगर रमेश बाबू होते ----' इतना कहकर प्रमोद चुप हो जाता है। प्रमोद के कहने का यह तात्पर्य है कि यदि रमेश यहाँ होता तो वह जीवनलाल को यह अन्याय न करने देता। जीवनलाल को प्रमोद की यह बात बहुत बुरी लगती है और वह उससे उपर्युक्त संवाद कहता है।

(ग) वक्ता ने अपने बेटे की ये विशेषताएँ बताई कि यदि रमेश यहाँ होता तो वह भी उसके निर्णय को स्वीकार कर लेता। पिता के सामने कुछ कहने या पिता का विरोध करने की उसमें हिम्मत नहीं है। वह एक सभ्य और शिष्ट युवक है। बड़ों का अपमान नहीं करता है।

(घ) वक्ता का बेटा रमेश अपनी बहन गौरी के ससुराल गया है। गौरी का विवाह रमेश के विवाह से कुछ समय पहले हुआ है। विवाह के बाद यह गौरी का पहला सावन है इसलिए रमेश उसे मायके ले आने के लिए गया हुआ है।

4. "तुम्हारी बहन के सपने ---------- माँ के आँचल पर होगा"
'बहू की विदा'

(क) उपर्युक्त वाक्य हमारी पाठ्य पुस्तक एकांकी संचय में संकलित एकांकी 'बहू की विदा' से लिया गया है। प्रस्तुत वाक्य जीवनलाल ने अपनी बहू के भाई प्रमोद से कहा है।

(ख) प्रस्तुत कथन का आशय है कि हमारे यहाँ यह रिवाज़ है कि हर लड़की अपनी शादी के बाद पहले सावन में अपने मायके जाती है और अपने माता-पिता, भाई-बहन तथा सहेलियों के साथ पहले सावन का पूरा महीना बिताती है। यही सपना कमला का भी है परन्तु जीवनलाल अपनी बहू कमला को उसके मायके नहीं जाने देना चाहता है क्योंकि उसे अपने बेटे के विवाह में पूरा दहेज नहीं मिला है।

(ग) जीवनलाल ने कमला के सपनों को पूरा न होने देने के लिए प्रमोद और उसकी माँ को ज़िम्मेदार बताया है क्योंकि उन्होंने रमेश की शादी में पूरा दहेज नहीं दिया है।

(घ) वक्ता जीवनलाल ने अपनी बेटी गौरी के विवाह के संबंध में श्रोता प्रमोद से कहा कि पिछले महीने उस ने भी अपनी बेटी की शादी की है। उसने अपनी बेटी की शादी में कोई कसर नहीं रखी, भरपूर दहेज़ दिया जिसे देखकर लोगों ने दाँतों तले उँगली दबा ली और बारात की खूब आवभगत की, जिसे देखकर देखने वाले दंग रह गए। यही कारण है कि लड़की वाला होकर भी उसका सिर झुका नहीं बल्कि गर्व से तना हुआ है।